जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
प्रेस विज्ञप्ति 11, दिसंबर 2020

ध्रुवीय अनुसंधान में चुनौतियां और अवसर विषय पर जामिया में वेबिनार

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के शताब्दी समारोह के तहत, "ध्रुवीय अनुसंधान में चुनौतियां और अवसर" विषय पर एक वेबिनार 10 दिसंबर, 2020 को आयोजित किया गया। वेबिनार के लिए जामिया सहित पूरे भारत से कई संस्थानों और विश्वविद्यालयों के 700 से अधिक अकादमिक, शोधकर्ताओं और छात्रों ने अपने को पंजीकृत कराया था।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नजमा अख्तर इसकी मुख्य अतिथि थीं और आईआईटी बॉम्बे साइकोफिजियोलॉजी प्रयोगशाला, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग के प्रो अज़ीजुद्दीन खान, गेस्ट ऑफ ऑनर थे। (अंटार्कटिक ऑपरेशन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर), नेशनल सेंटर फ़ॉर पोलर एंड ओशन रिसर्च, एनसीपीओआर, गोवा) के वैज्ञानिक जी एवं ग्रुप डायरेक्टर, मिर्ज़ा जावेद बेग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (जीओआई) में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं सलाहकार, डॉ प्रबीर घोष दस्तीदार विशेषज्ञ वक्ता थे।

प्रो नजमा अख्तर ने अपने उद्घाटन भाषण में वेबिनार के विषय की सराहना की। उन्होंने कहा कि कभी दूरस्थ और अलग-थलग माने जाने वाले ध्रुवीय क्षेत्र अब वैश्विक राजनीति, सामाजिक, आर्थिक सुरक्षा और भू-राजनीतिक परिदृश्य का हिस्सा बन गए हैं। इसलिए इस क्षेत्र को हर सूरत में ठीक से समझने की ज़रूरत है। आज के समय में ध्रुवीय क्षेत्रों से संबंधित अनुसंधान और नीति विश्लेषण की आवश्यकता पहले से कहीं ज़्यादा है।

उन्होंने जामिया की सफलता की कहानी पर भी संतोष जताते हुए कहा कि यह अब केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शीर्ष पर है और ऐसे में इसका यह स्तर बनाए रखने की हम सबकी ज़िम्मेदारी है।

गेस्ट ऑफ ऑनर, प्रो अज़ीजुद्दीन खान ने पोलर स्टडीज की प्रासंगिकता बताई और प्रमुख वक्ताओं, श्री मिर्ज़ा जावेद बेग और डॉ प्रबीर घोष बस्तीदार का परिचय कराया।

दोनों विशेषज्ञ वक्ताओं, श्री मिर्ज़ा जावेद बेग, और डॉ प्रबीर घोष दस्तीदार ने ध्रुवीय अनुसंधान

और चुनौतियों के बारे में बहुत ही रोमांचक और अद्भुत बातें बताईं। उन्होंने ध्रुवीय क्षेत्रों, अनुसंधान गतिविधियों, अंटार्कटिका के अभियानों, ध्रुवीय और महासागर अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर) के राष्ट्रीय केंद्रों के विभिन्न पहलुओं के बारे में गहरी जानकारी दी।

इस मौके पर, जामिया के पूर्व कुलपति और 1981 में भारत के पहले अंटार्कटिक अभियान का सफलतापूर्वक नेतृत्व करने वाले, स्वर्गीय डॉ सैयद ज़हूर क़ासिम के भारतीय ध्रुवीय कार्यक्रम में किए गए योगदान पर रौशनी डाली गई। 2019 में ध्रुवीय विज्ञान के एक विशेष अंक में भारतीय ध्रुवीय कार्यक्रम में उनके योगदान को याद किया गया।

वेबिनार के प्रश्नोत्तर सत्र का संचालन अनुसंधान निदेशक, प्रोफेसर ज़ाहिद अशरफ और सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो क़मरूल हसन ने किया।

कार्यक्रम के संयोजक डायरेक्टर रिसर्च, प्रो-कफील अहमद थे और कार्यक्रम का संचालन एम टेक छात्रा सुश्री ज़रीन फातिमा ने किया।

वेबिनार के सह-समन्वयक प्रो क़मरुल हसन द्वारा वोट ऑफ़ थैंक्स की प्रस्तुति के साथ वेबिनार का समापन हुआ।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक